व्यवसाय योजना

माँ दशमी वारदा

माँ दशमी वारदासमान रूचि समूह सेउबाग

जैव विविधता प्रबंधन उप समिति.	सेउबाग
ग्रामपंचायत.	काईस
वनपरिक्षेत्र .	वन्य प्राणी परिक्षेत्रमनाली
वनमण्डल.	वन्य प्राणी मंडल कुल्लू
वनवृत.	शमशी

विषय –सूची

क्र0सं0	विवरण	पृष्ठ संख्या
1	कार्यकारिणीसारांश	1-2
2	स्वयंसहायतासमूह/समान रूचीसमूह का विवरण व सूची	3
3	गांव की भौगोलिकस्थितिका विवरण	3
4	आय सृजनगतिविधि से सम्बन्धितउत्पाद का विवरण	4
5	उत्पादन की प्रक्रियाऐं	4
6	उत्पादननियोजन	4
7	विक्रय तथाविपणन	5
8	सदस्यों के मध्य प्रबन्धनका विवरण	5
9	शक्ति, दुर्बलता,अवसरतथाचुनौतीकाविश्लेषण(SWOT Analysis)	5-6
10	सम्भावितजोखिम व उनको कम करने के उपाय	6
11	व्यवसाय योजना की अर्थव्यवस्था का विवरण	7
12	अर्थव्यवस्था का सारांश	8
13	टनुमान	8
14	उद्यमहेतूलाभ–लागतविश्लेषण	8-9
15	धन की आवश्यकता	9
16	धन की आवश्यकता का नियोजन	9
17	टिप्पणी	10
18	प्रशिक्षण का अनुमानित व्यय	11
19	स्वयं सहायता समूह के नियमों की सूचि	12
20	ग्राम वन विकास समिति कार्यकारणी का अनुमोदन	13
21	सहमति पत्र व मण्डल प्रबन्धन इकाई की स्वकृति	14
22	स्वयं सहायता समूह के प्रत्येक सदस्य के फोटोग्राफ	15

1. कार्यकारिणी सारांश

हिमाचल प्रदेश पश्चिम हिमालय में स्थित है। यह राज्य कुदरती सुंदरता और समृद्वि, सांस्कृतिकव धार्मिक धरोहर से भरपूर है।राज्य में विविध पारितंत्र, नदिया , घाटियां पाई जाती है। इसकी आबादी 75 लाख के करीब है।इसका भौगोलिक क्षेत्र 55673 वर्ग कि० मी० है। हिमाचल प्रदेश में शिवालिक पहाडियों से लेकर मध्य हिमालय का क्षेत्रहै जो की ऊँचाई व ठंडे जोन का क्षेत्र पाया जाता है। राज्य के लोगों का मुख्य व्यवसाय कृषि है। हिमाचल प्रदेश के 12 जिलों में से 7 जिले में हिमाचल प्रदेश वन पारिस्थितिकी तंत्र प्रबन्धन और आजीविका सुधार परियोजना, जाईका (JICA) के सहयोग से चलाया जा रहा है जिसमे कुल्लू जिला भी शामिल है।

हिमाचल प्रदेश वन पारिस्थितिकी तंत्र प्रबंधन और आजीविका सुधार परियोजना जाईका (JICA) प्रारंभ होने पर जैव ववधिता प्रबधन उप समिति की सूक्ष्म योजना बनाई गयी है।सूक्ष्म योजना के अनुसारजैव ववधिता प्रबधन उप समिति के लोगों का मुख्य व्यवसाय कृषि व बागवानी है।यहाँ के लोग मुख्यत गेहूं, जौ, सब्जी की खेती करते हैं।इसके अतिरिक्तपलम, सेब इत्यादि की बागवानी करते हैं।परन्तु प्रत्येक परिवार की औसत भूमि बहुत कम है। अन्य संसाधन न होने के कारण उनकी आय में अपेक्षित बढोतरी नहीं हो पा रही है।अतिरिक्त संसाधन के लिए माँ दशमीवारदास्वयं सहायता समूह का 26-08-2021को गठन किया गया है।समूहने स्थिर मधुमक्खी पालन से अपनी आजीविका बढाने का निर्णय लिया है।इस समूह में कुल10महिलाऐ हैं, और सभी महिलाए सामान्य वर्ग से हैं।

परियोजना की सहायता से प्रारम्भ में स्थिर मधुमक्खी पालनका प्रशिक्षण दिया जाएगा।परियोजना द्वारापूंजीगत व्यय का 75%अंशदान वहन किया जाएगा।इसके अतिरिक्त 1,00,000/- परीकृमि निधि दी जाएगी ताकि बैंक में ऋण लेने में सुविधा हो सके। समूह ने तय किया है कि सभी सदस्य नियम व शर्तों के हिसाब से कार्यों का आपसी बंटवारा करेगे तथा समान रूप से कार्य के अनुसार लाभांश का बंटवारा करेंगे।

माँ दशमीवारदा सवय सहायता समूह की व्यवसाय योजना बनाने के लिए श्री पदम् सिंह चौहान (Retd HPFS), श्री मति निर्मलादेवी (B.O. काईस), श्री प्रिया ठाकुर SMS, श्रीशुभम (FTU-COO.)और श्रीमतिवर्षा ठाकुर (वन रक्षक) ने बार समूह के सदस्यों से बैठक करके इस व्यवसाय योजना को तैयार किया है।जो मार्कण्डे मधुमखी पालन समूह, हुरला व्यवसाय योजना बनाने में डॉ श्रीरमेश लाल कृषिविज्ञान केन्द्र बजौरा (विशेषज्ञ) से विचार विमर्श किया गया था उसी आधार पर इस समूह की व्यवसाय योजना तैयार की गयी है। समूह में सम्मिलित सदस्यों का ब्यौरा निम्न प्रकार से है :

कमांक	लाभार्थी का नाम	पिता/ पति का नाम	पद	गांव	आयु	लिंग	योग्यता	श्रेणी	सम्पर्क
1	नैना देवी	मोहर सिंह	प्रधान	धरोगी नाला	32	स्त्री	+2	सामान्य	9459961924
2	कोमल	दीप कुमार	सचिव	धरोगी नाला	34	स्त्री	B.A.	सामान्य	7018919773
3	राधा देवी	गोविन्द सिंह	कोषाध्यक्ष	धरोगी नाला	33	स्त्री	B.A.	सामान्य	7018716087
4	सुनीता देवी	रामम कर्ण	सदस्य	धरोगी नाला	49	स्त्री	10^{th}	सामान्य	-----
5	सुषमा देवी	महिंद्र सिंह	सदस्य	मल्हार	41	स्त्री	+2	सामान्य	8219205573
6	रीना देवी	बालक नाथ	सदस्य	धरोगी नाला	38	स्त्री	+2	सामान्य	7807591825
7	रीना	हरी किशन	सदस्य	धरोगी नाला	38	स्त्री	+2	सामान्य	9817355990
8	सुषमा देवी	दविंद्र सिंह	सदस्य	मल्हार	44	स्त्री	10^{th}	सामान्य	---------

9	युवी देवी	भादर सिंह	सदस्य	धरोगी नाला	53	स्त्री	----	सामान्य	8988171325
10	छाया देवी	यशपाल	सदस्य	धरोगी नाला	32	स्त्री	10th	सामान्य	9817428998

2. स्वयंसहायतासमूह/समान रूचीसमूह का विवरण

2.1	समान रूचि समूहका नाम	माँ दशमी बरदा
2.2	समान रूचि समूहका एम. आई. एस. कोड	–
2.3	**जैव विविधता प्रबंधन उप समिति**	सेओबाग
2.4	वनपरिक्षेत्र	**वन्य प्राणी परिक्षेत्र मनाली**
2.5	वनमण्डल	**वन्य प्राणी मंडल कुल्लू**
2.6	गांव	धरोगीनाला
2.7	विकास खण्ड	नगर
2.8	जिला	कुल्लू
2.9	समूह के कुलसदस्यों की संख्या	10
2.10	समूह के गठन की तिथि	26 नवम्बर 2021
2.11	समान रूचिसमूह की मासिकबचत	100
2.12	बैंक का नाम और शाखा जंहासमूह का खातासंचाालित	PNB seobag
2.13	बैंक खातासंख्या	2430000100212202
2.14	समूह की कुलबचत	27000
2.15	समूह द्वारासदस्योंकोदियागया ऋण	अभीतक नही
2.16	कैशकैडिटसीमासमूहसदस्यों द्वारावापसकियागया ऋण की स्थिति	–

3. गांव की भौगोलिकस्थिति

3.1	जिलामुख्यालय से दूरी	कुल्लू 12कि0मी0
3.2	मुख्य सड़क से दूरी	0किमी0
3.3	स्थानीय बाजार का नाम औरदूरी	भुन्तर 27कि0मी0, कुल्लू 12कि0मी0 , मनाली 39कि0मी0
3.4	मुख्य बाजार से दूरीऔर नाम	भुन्तर 27कि0मी0, कुल्लू 12कि0मी0 , मनाली 39कि0मी0
3.5	अन्य प्रमुखशहरोंऔरकसबों से दूरी	भुन्तर 27कि0मी0, कुल्लू 12कि0मी0 , मनाली 39कि0मी0
3.6	बाजार/बाजारों से दूरीजहांपरउत्पादन की बिक्री की जायेगी	भुन्तर27कि0मी0, कुल्लू12कि0मी0 , मनाली39कि0मी0

4. आय सृजनगतिविधि से सम्बन्धितउत्पाद का विवरण

4.1	उत्पाद का नाम	शहद
4.2	उत्पाद की पहचान की पद्वति	कुछ सदस्य स्थिर मधुमक्खी पालन का कार्य पहले से ही करते है ।
4.3	समान रूचिसमूह के सदस्यों की सहमति	हां

5. उत्पादन की प्रक्रियाओं का विवरण

सर्वप्रथमसमान रूचीसमूह के सदस्योंकोपरियोजना द्वारास्थिर मधुमक्खी पालन काप्रशिक्षणदियाजाऐगा।प्रशिक्षणके बाद समूह के सदस्यों को 1वर्षमें एक-एकसदस्यप्रतिदिन बारी-बारी सेऔसत 1 घंटे कार्य करेगी ।इस प्रकार कुल 365घंटे अनुमानित किये गए हैं । जिसमे साफ़-सिफाई,शहद निकालना, डिब्बों में बंद करना, विपणन और देखभाल आदि कार्य शामिल है।उत्पादन की प्रक्रियाओं का विवरणनिम्नप्रकार से है:–

- समूह के सदस्य 1 वर्ष के चक्र में इटालियन मधुमक्खी (Apis mellifera) द्वारातैयार किये गए शहद को वर्षभर में 6 बार निकालेंगे।
- मार्च, अप्रैल,मई, जून, सेप्तेंबर,ओक्टोबर महीने मे शहद निकाला जाएगा जुलाई, अगस्त,नवम्बर से लेके फ़रवरी तक शहद नहीं निकाला जाएगा क्योंकिजुलाई, अगस्त मे बरसात के कारण मधुमाखियाँ शहद बनाने का अधिक कार्य नहीं कर पाती हैं तथा सर्दियों में शाट क्षेत्र में नवम्बर से जनवरी तककोई भी वनस्पति के फूल नहीं खिले होते हैं ।
- वर्षा के दिनों में सर्दियों में और बरसात में मधुमक्खी के कार्य न करने पर वफूल उपलब्ध न होने के कारण चीनी के घोल का शर्बत बनाकर इस प्रकार के अनुपात में (बरसात प्रारम्भ होते ही 1:1, जाड़ों में 1:2) फीडर के माध्यम से मधुमक्खी को खिलाना होगा ।
- गर्मियों में मौन गृह का तापमान बनाए रखने के लिए मौनवंशों को पानी भी पिलायेंगे ।
- सर्दियों में ठंड पड़ने पर मौन गृह मेंआवश्यक तापमान बनाए रखने के लिए आवरण लगाएंगे ।
- समय-समय पर मौन गृह की सफाई भी करनी पड़ेगी ।
- उपरोक्त निकाले गए शहद को डब्बों में आवश्यक लेब्लिंग (स्टीकर) लगाकर विपणन करेंगे।

6. उत्पादनहेतुनियोजन का विवरण

6.1	उत्पादनचक्र	1 वर्ष
6.2	वर्ष भर मे कार्यकताओं की आवश्यकता (संख्या)	10 महिला
6.3	कच्चेमाल का स्त्रोत	**कुल्लू**, भुन्तर,मनाली
6.4	अन्य संसाधनों का स्त्रोत	कुल्लू, भुन्तर ,मनाली

7. <u>विपणन/बिक्री</u> का विवरण

7.1	सम्भावितबाजारों/स्थलों के नाम	कुल्लू, भुन्तर, मनाली
7.2	उत्पाद की बिक्रीहेतूगांव से दूरी	भुन्तर 27कि0मी0, कुल्लू 12कि0मी0 ,मनाली 39कि0मी0
7.3	बाजारमेंउत्पाद की अनुमानितमांग	उत्पादन से अधिक मांग है।
7.4	बाजारकोचिन्हितकरने की प्रक्रिया	समूह के सदस्य उत्पादन के अनुसार स्थानीय परचून/थोक दुकानदारों से विपणन के लिए सम्पर्क करेंगे। आधिक उत्पादन होने पर कुल्लू व मनाली के दुकानदारों से सम्पर्क करके विपणन का कार्य किया जाएगा।
7.5	मौसममेंपरिवर्तन के अनुसारउत्पाद की मांग की स्थिति	गर्मियों में ज्यादा मांग होती है।
7.6	उत्पाद के संभावित खरीदार	स्थानीय निवासी, दुकानदार औरपर्यटक
7.7	क्षेत्र मेंसंभावितउपभोक्ता	भुन्तर, मनाली, कसोल, कुल्लू व समीप के क्षत्रों केस्थानीय निवासी
7.8	उत्पाद का विपणन तंत्र	• दुकानदारों से सम्पर्क करना। • अपनाबिक्रीकेन्द्रखोलना। • मेलोंमेंस्टाललगाना।
7.9	उत्पाद के विपणनहेतुरणनीति	• थोकव्यापारीसे सम्पर्क करना। • परचूनव्यापारीसे सम्पर्क करना। • लोकलनैटवर्कमेंप्रचारकरना। • सोशलमीडियामेंप्रचारकरना।
7.10	उत्पाद का ब्राण्ड नाम	"जय माँ दशमी वारदा , सेउबाग"
7.11	उत्पाद का "नारा"	"मीठा मीठा जड़ी बूटी रा शहद खाना , आसारा इरादा सभी लोगा री अछी सेहत बनाना"

8. समूह सदस्यों के मध्य प्रबंधन का विवरण

- प्रबन्धन के लिए नियमबनायेजाएगें।
- समूह के सदस्य आपसीसहमति से कार्यो का बंटवाराकरेंगें।
- विपणनमेंअनुभव रखनेवालेसभीसदस्य बारी–बारी से विपणनकरेगे।
- प्रधान व सचिवप्रबन्धन का मुल्यांकन एवंअवलोकनसमस–समय परकरतेरहेगें।
- समय समय के बाद लाभांश व मजदूरी का समान रूप सेबंटवारा करेंगे।

9. शक्ति, दुर्बलता,अवसरतथाचुनौतीविष्लेषण (SWOT Analysis)

<u>शक्ति</u>: –

1. सभी समूह सदस्य सामान व् अनुकूल सोच रखते है।
2. शहद उत्पादन की प्रकिया आसान है तथा बहुत कम श्रम लगाना पड़ता है।
3. उत्पादन लागत बहुत कम है तथा उत्पादन मांग अधिक है।
4. शहद बहुत समय तक ख़राब नहीं होता है।

<u>दुर्बलता</u>: -

1. मधुमखियों कीसही देखभाल व पोषण न करने पर मधुमक्खीमर भी जाती हैं।
2. सदस्यों को समूह में कार्य करने का अनुभव नहीं है।

<u>अवसर</u>: -

1. समूह में कार्य करने पर बड़े पैमाने पर उत्पादन किया जा सकता है।

2. स्थानीय बाज़ारों में मांग अधिक है।
3. परियोजना द्वारापूंजीगत व्यय पर 75%कीमत का भी वहन किया जाएगा।
4. परियोजना द्वारामौके पर या स्थिर मधुमक्खी पालन संसथान बजौरा में विशेषज्ञया अन्य संस्थान या किसी व्यक्ति के माध्यम सेजो बड़े स्तर पर मधुमाखी पालन कर रहा हो और उसका कम से कम 5 वर्ष का अनुभव हो उस से प्रशिक्षणकरवाया जाएगा।

जोखिम: -

1. फूलों के मौसम मेंवर्षा व अधिक तापमान से शहद उत्पादन कम होने का अन्देशा रहता है ।
2. सर्दियों में न के बराबर तथा वर्षा में शहद बनाने का चक्र प्रभावित होता है ।
3. अत्यधिक सर्दी में आवश्यक तापमान व बचाव कार्य न करने पर मधुमक्खियों के मरने की सम्भावना रहती है ।
4. सर्दियों में समय-समय पर चीनी का शर्बत न खिलाने पर भी मधुमक्खी की मरने की सम्भावना रहती है

10. सम्भावित चुनौतियां तथा उनको कम करने के उपायों का विवरण

क0सं0	जोखिमों का विवरण	::	जोखिम कम करने के लिए उपाय
10.1	सर्दी के बाद मौन वंशों के शहद में कमी होती है और मधुमक्खियां शहद भंडार के अनुपात में ही पराग लाकर अंडे/बच्चों का पालन आरम्भ करती हैं।	::	चीनी का शर्बत सर्दियों में मधुमक्खी को खिलाना पड़ेगा ताकि शिशु पालन दर बढ़े और मधु प्रवाह के समय तक कमेरी मधुमक्खियों की संख्या पर्याप्त हो पाये और शहद भरपूर मात्रा में एकत्रित हो सके।
10.2	कभी-कभी वर्षा ऋतु में मौसम जब खराब हो जाता है तब मौन वंशों में शिशु दर बढ़ जाती है और कमेरी मधुमक्खियां खराब मौसम के कारण आवश्यकता के अनुसार भोजन नहीं ला पातीं। इससे मौन वंश के संतुलन व कार्य में बाधा पड़ती है।	::	ऐसे में कृत्रिम खुराक देनी चाहिए अन्यथा मौन वंश कमजोर होकर समाप्त हो सकते हैं।
10.3	प्राकृतिक कारणों जैसे लम्बी अवधि तक शुष्क मौसम, सामान्य से कम या भारी वर्षा, आंधी से पुष्पों की क्षति आदि से शहद बनाने की प्रक्रिया बाधित होती है।		मौन वंशों को बचाने के लिए कृत्रिम खुराक देनी पड़ती है।
10.4	वर्षा ऋतु में जब शिशु पालन दर मक्की के परागकण उपलब्ध होने से तीव्र हो जाती है । मकरन्द स्त्रोतों की कमी पड़ती है ।		मकरन्द स्त्रोतों में कमी हो जाने पर कृत्रिम भोजन देना आवश्यक है।

11. परियोजना की अर्थव्यवस्था का विवरण

अ	पूंजीगतव्यय					
क0सं0	विवरण	मात्रा	इकाई दर	मूल्य (रू0 में)	परियोजना अंश (75%)	लाभार्थी अंश (25%)
1.	मौन गृह (Long Strooth) (10frames)	50	1500	75000	56250	18750
2.	मौनवंश (7 फ्रेम)	50	2500	125000	93750	31250
3.	शहद निष्कासन यंत्र	1	3500	3500	2625	875
4.	धुंआकर	1	1200	1200	900	300
5.	मुख्य रक्षक जाली	10	250	2500	1875	625
6.	फीडर	50	100	5000	3750	1250
7.	हाइव टूल	10	300	3000	2250	750
8.	चाकू	10	100	1000	750	250
9.	दस्तानेset	10	150	1500	1125	375
10.	भार तोलन मशीन	1	2500	2500	1875	625

11.	परिवहन व्यय	1	8000	8000	6000	2000
			कुलपूंजीगतव्यय	**228200**	**171150**	**57050**

(ब)	**आवर्ती व्यय**				
क्रमाक	**विवरण**	**इकाई**	**मात्रा**	**दर (रु०)**	**धन राशी(रु०)**
1	औसत मजदूरी	दिन	**38**	350	1**33**00
2	कमरा किराया	महीना	12	1200	14400
3	मोम की शीट **(wax sheet)**	नं॰	400	20	8000
4	चीनी	किलोग्राम	**800**	5**0**	**400**00
	Pollen	किलोग्राम	**5**	**2000**	**10000**
5	दवाइयाँ / रसाइन	-	L/S	1000	1000
	अन्य खर्चे (पैकिंग मटेरियल डब्बों, स्टीकर, स्टेशनरी, बिजली, पानी बिल, मशीन,परागन पैक, रिपेयर इत्यादि)		L/S	15000	15000
				कुल आवर्ती व्यय	**101700**

- औसत मजदूरी केवल लागत लाभ विश्लेषण के लिए अनुमानित की गयी है। वास्तव में यह कार्य समान रूचि समूह के सदस्य बारी-बारी सेऔसत 1 घंटे प्रतिदिन साफ़ सिफाई व अन्य कार्य करेंगे।
- चीनी 500 ग्राम प्रति मौन ग्रहशर्बत बना कर वर्षा के समय या फलवार उपलब्ध न होने पर सप्ताह मे एक बार मधुमक्खी को खिलाया जाएगा। इसकी मात्रा कम या ज्यादा मौसम के अधार पर बढ या घट सकती है।
- पूंजीगतव्यय का लाभार्थीअंश लाभार्थियों द्वारा नकदी क रूप मे वहन किया जाएगा।

12अर्थव्यवस्था का सारांश

उत्पादन की लागत

क्रं0	विवरण	धनराशि
1	कुल आवर्तीलागत	101700
2	पूंजीगतव्ययपर 10% ह्रास मूल्य है	22800
	योग	**124500**

13अनुमान

विक्रय मुल्य की गणना

क0स0	विवरण	इकाई	धनराशि (रू0)
1	उत्पादन की लागत (1000किलोग्राम)	प्रति किलोग्राम	101.70
2	निर्धारितलाभ%	प्रति किलोग्राम%	398.3
3	कुल (1+2)	प्रति किलोग्राम	500
4	बाजारभाव	प्रति किलोग्राम	600
5	अनुमानित/आंकलितविकय मूल्य	प्रति किलोग्राम	500

14. उद्यम हेतु लागत लाभ का विश्लेषण

क0स0	मद	धनराशी(रू)
1	पूंजीगत व्यय पर 10 % वार्षिक मूल्यह्रास (अ)	22800
2	**आवर्ती लागत (ब) –**	
2-1	औसत मजदूरी	13300
2-2	कमरा किराया	14400
2-3	मोमी शीट	8000
2-4	चीनी	40000
	Pollen	10000
2-5	दवाइयाँ / रसाइन	1000
2-6	अन्य खर्चे (पैकिंग मटेरियल डब्बों, स्टीकर, स्टेशनरी, बिजली, पानी बिल, मशीन रिपेयर इत्यादि)	15000
	योग (ब)	**101700**
3	कुल उत्पादन	1000किलोग्राम
4	उत्पादन की विक्री दर (रु०)	500 रु०
5	उत्पाद की विक्री से आय (स)	500000
6	कुललाभस– (अ+ब) = 500000-(22800+101700)	375500
7	उत्पाद विक्री से सकल लाभ = कुल लाभ + औसत मजदूरी + कमरा किराया = 375500+13300+ 14400	403200
8	Net Profit (500000-101700)	398300

- फ्लोवेरिंग के समय बागवान मधुमक्खियों को प्रागण प्रक्रिया के लिए किराये पर रुपए 1000 से लेकर रुपए 2000 तक प्रति मधु गृह लेते हैं। यह आय उपरोक्त आय से अतिरिक्त होगी। इस आय को लागत लाभ विश्लेषण नहीं किया गया है क्योंकि मधु गृह को किराये पर ले जाना मांग पर आधारित होगा ।
- मौन वंशों के 1 वर्ष क बाद कम से कम 2 और वंश बनाने पर समूह की आए 2 गुना आगामी वर्ष मे बढ़ जाएगी ।
- प्रथम चक्र मे आवर्ती व्यय आरंभ मे बचत से करेंगे तथा उसके उपरांत अर्जित आए से करेंगे।

15 धन की आवश्यकता

(क) समूह की वित्तीय आवश्यकता

क्रं. सं.	मद	धनराशी (रु)
1	पूंजीगत व्यय	228200
2	आवर्ती व्यय	101700
	योग	**329900**

(ख) समूह के वित्तीय संसाधन

क्रं. सं.	संसाधन का विवरण	धनराशी (रु)
1	परियोजनाद्वारापूंजीगत व्यय का 75% अनुदान	171150
2	लाभार्थियों द्वारा लाभार्थी अंश नकदी के रूप मे दिया जाएगा	57050
3	समूह की आंतरिक बचत	26000
	योग	**254200**

- परियोजना द्वारा समूह को 1,00,000 परिक्रिमी निधि प्रदान की जायेगी तथा आवर्ती व्यय के लिएप्रारम्भ के पहले महीने मे Rs 26000 की बचत से करेंगे तद उपरांत शहद को बेचकर लाभांश से वहन करेंगे |आगामी वर्ष मे मौनवंश को दुगना करने क लिए पूंजीगत व्ययक्रमश मोनगृह, मोमी शीट इत्यादि की आवश्यकता होगी

उसका व्यय परीकृमि निधि से सीड मनी के रूप मे प्रयोग कर के बैंक से ऋण लेकर या लाभ अर्जित कर के वहन किया जाएगा।बैंक से ऋण लेने पर 5 % ब्याज दर भी परियोजना द्वारा वहन किया जाएगा ।

16. सम विच्छेदनबिन्दू (ब्रेक इविन प्वाइन्ट) की गणनाः

ब्रेक इवन पॉइंट= कुल लाभ/पूंजीगत व्यय

अत: ब्रक इवन पॉइंट = 398300/228200 = 1.74 year
1 Year 8 Month

स्थिर मधुमक्खी पालनके लाभ की मात्रा की गणना पर सम विच्छेदन बिन्दू1.8year में उपरोक्त विक्रय करने पर प्राप्त किया जा सकता है |

17 टिप्पणी

समूह को वार्षिक चक्र में **398300** रुपए लाभांश के रूप मे प्राप्त होगातथा 1**3300**रुपये मजदूरी की राशि मिलेगी। इस प्रकार प्रत्येक सदस्य को वर्ष भर मे केवल 1-1 घंटा प्रतिदिन प्रति सदस्य बारी बारी से कार्य करने पर लगभग 13**30**रुपये मजदूरी के रूप मे व **39830**रुपये लाभांश के रूप मे आय होगी। इसके अतिरिक्तबगवनों को पोलिनेशन हेतु मधुमाखियाँ देने पर 1000 -2000 रुपये आय प्रति मोनगृह और होगी ।

17. प्रशिक्षण का अनुमानित व्यय (माँ दशमीवारदामधुमक्खी पालन समूह,सेउबाग)

- प्रशिक्षण का उपरोक्त व्यय परियोजना **द्वारा** वहन किया जाएगा।

क्रमांक	विवरण	अवधि	भाव (रुपये मे)	राशि
1	हॉल का किराया	2 दिन	@2000/दिन	4000
2	12 प्रतिभागियों के लिए ट्रेनिंग का खर्चा (दोपहर का भोजन)।	3 दिन	@250/ ट्रेनी/दिन	9000
3	रिफ्रेशमेंट - 12 प्रतिभागियों के लिए दिन मे 2 बार चाय पानी का खर्चा।	3 दिन	@50/ट्रेनी/दिन	1800
4	विविध (स्टेशनरी, बस किराया आदि)।	3 दिन	लंप सम	4800
	योग			**19600**

-

समान रूचि समूहके नियमो की सूची

1. समूह का काम : **स्थिर मधुमक्खी पालन**
2. समूह का पता : **गाँव धरोगीनाला, डाकघर सेउबाग, तहसील कुल्लू, जिला कुल्लू, हिमाचल प्रदेश ।**
3. समूह के कुलसदस्य:**10**

4 समूह की पहलीबैठक की तिथि:**26.11.2021**

4 समूहमेंहर100 रूपए पर 2 रूपए ब्याजहोगा।

5 समूह की मासिकबैठकहरमाह की10तारिककोहोगी।

6 समूह के सभीसदस्य हरमाह की गईबचत की **राशि**कोसमूहमेंजमाकरेगें।

7 स्वंय सहायतासमूह की बैठकमेंसभीसदस्य कोशामिलहोनापड़ेगा।

8 स्वंय सहायतासमूह का खाता**पंजाब नेशनल बैंक सेउबाग**में खोलाजाएगा खाता संख्या नंबर**2430000100212207**है।

8 समूह की बैठकमेंगैरहाज़िररहने के लिए प्रधान व सचिवकोउचितकार्यबताकरअनुमतिलेनीहोगी।

9 समूहमेंजोबचत की राशीजमानहींकरवाते या 3 बेठकोंतकसमूह से गैरहाज़िररहतेहैतो उस व्यक्तिकोसमूह से निकालदियाजाऐगा।

10 समूहमेंजोव्यक्तिकारणबताएबिनागेरहाज़िररहताहैतोअगलीबैठक उस व्यक्ति के घरमेंहोगीजिसका खर्च उस व्यक्तिको खुदकरनाहोगाअगरदोसदस्य होगेंतो खर्च मिल करदेनाहोगा।

11 स्वंय सहायतासमूह के प्रधान व सचिवसर्वसहमति से चुनेजाऐगें।

12 प्रधान व सचिवबैंक से लेनदेनकरसकतेहै यह पद एक वर्षतकमान्य होगा।

13 प्रधान, सचिव यासदस्य समूह के विरूद्व कोईकाम नही करेगासमूह की रकम का सदासदुपयोगकरेगें।

14 अगरसदस्य किसीकारणवशसमूहकोछोड़नाचाहताहैअगर इस व्यक्ति ने ऋण लियाहैतोसमूहकोवापिसकरनाहोगातभीसमूहकोछोड़ सकता हैअन्यथा नही।

15 ऋण काउदेश्यरकम की चुकोती का समय ऋण की किश्त औरब्याज की दरबैठकमें तय की जाएगी।

16 आपातकालीनस्थिति के लिए प्रधान व सचिव केपास कम से कम 1000 रूपये की राशीहोनीचाहिए।

17 स्वंय सहायतासमूह के रजिस्टरकोसभीसदस्यों के सामनेपढ़ा व लिखा जानाचाहिए।

18 बड़ेंऋणलेनेवालोंको एक सप्ताहपहले की सूचनादेनीहोगी।

19 ऋण जरूरत के समय सभीसदस्योंकोमिलनाचाहिए।

20 अगरसदस्य बिनाकारण से समूहकोछोड़नाचाहताहैतो उस सदस्य की जमाराशिसमूहके सदस्यो बराबर मेबांटीजाएगी।

21 समूहकोअपनीमासिकरिपोर्टप्रतिमाहतकनीकी क्षेत्रीय इकाई(Field Technical Unit)के कार्यालय मेंदेनीहोगी।

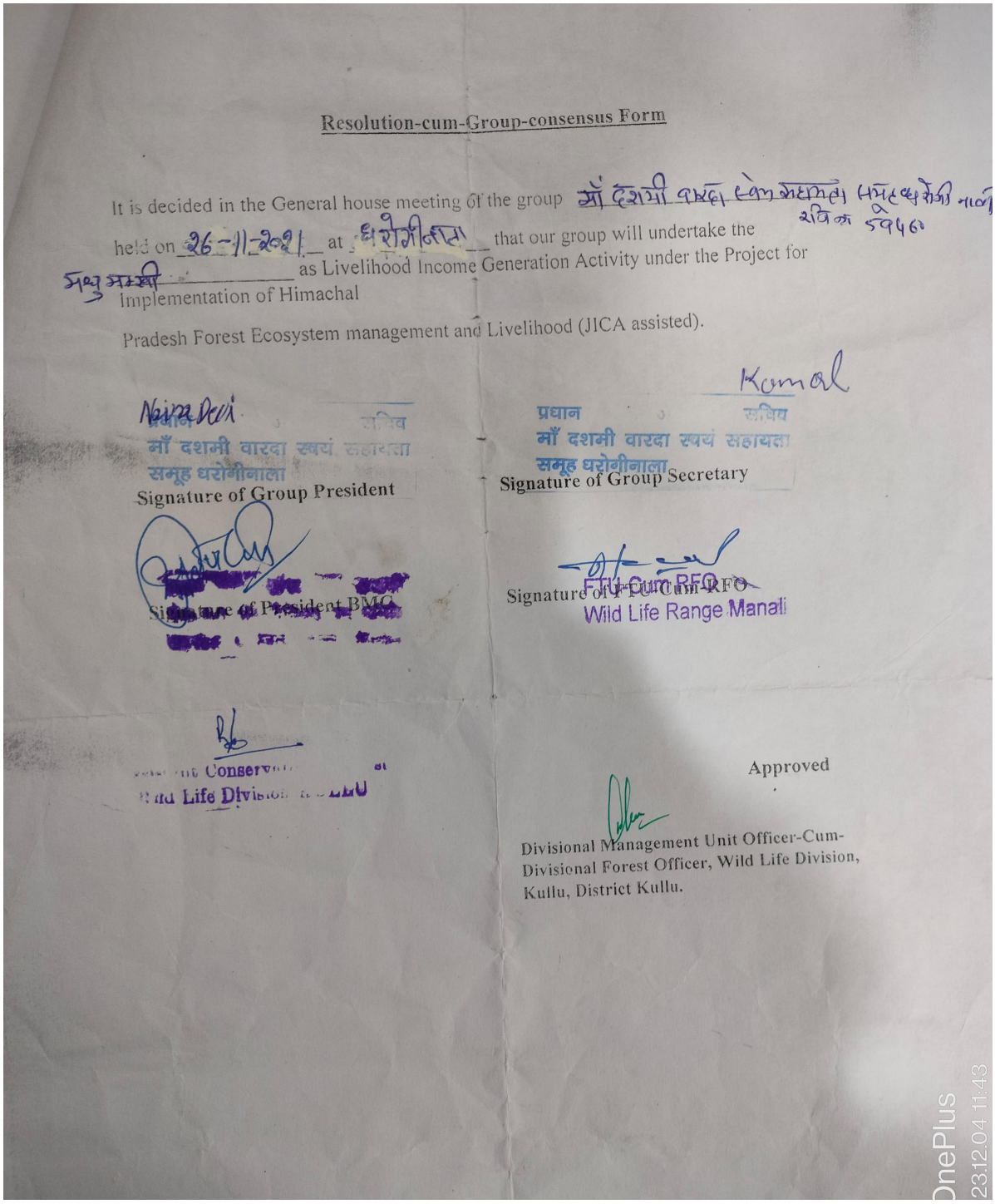

Resolution-cum-Group-consensus Form

It is decided in the General house meeting of the group माँ दशमी वारदा स्वयं सहायता समूह धरोगीनाला रजि क्र 59460 held on 26-11-2021 at धरोगीनाला that our group will undertake the मधु मक्खी as Livelihood Income Generation Activity under the Project for Implementation of Himachal Pradesh Forest Ecosystem management and Livelihood (JICA assisted).

Naina Devi प्रधान सचिव माँ दशमी वारदा स्वयं सहायता समूह धरोगीनाला Signature of Group President	Komal प्रधान सचिव माँ दशमी वारदा स्वयं सहायता समूह धरोगीनाला Signature of Group Secretary
Signature of President BMC	Signature of FTU-Cum-RFO FTU-Cum RFO Wild Life Range Manali
... Conserv... Wild Life Division ...	Approved Divisional Management Unit Officer-Cum-Divisional Forest Officer, Wild Life Division, Kullu, District Kullu.

23.12.04 11:43

समान रूचि समूह के प्रत्येक सदस्य की फोटोग्राफ

श्रीमती नैना देवी
(प्रधान)

श्रीमती कोमल
(सचिव)

श्रीमती राधा देवी
(कोषाध्यक्ष)

श्रीमती सुषमा देवी
(सदस्य)

श्रीमती सुषमा देवी
(सदस्य)

श्रीमती रीना देवी
(सदस्य)

श्रीमती छाया देवी
(सदस्य)

श्रीमती सुनीता देवी
(सदस्य)

श्रीमती युवी देवी
(सदस्य)

श्रीमती रीना
(सदस्य)